Jayoti Muhim

बेटी बचाओ बेटी पढाओ

Title Code : RAJBIL01655 Issue 15, Volume 4. November, 2018

The Jayoti Vidyapeeth Women's University Accredited with Grade B+ in its First Cycle of Assessment & Accreditation process by NAAC on 30 November, 2018.

Along with Completion of 10 Years of Glorious Journey, the Jayoti Vidyapeeth Women's University has received the outcome of the Assessment & Accreditation results and has been Accredited with B+ Grade in first cycle from the National Assessment and Accreditation Council (NAAC) valid for a period of 5 years. It is indeed a proud moment for the entire JVWU Fraternity. In a short span of 10 years It is highly admirable to be able to receive accreditation and achieve the distinction of awarded with the Grade B+ from NAAC. This milestone reflects the outstanding contribution of University all Stakeholders connected to the working under the dynamic and inspiring leadership of Hon'ble Chairperson JV'n Vidushi Garg ji.

On this Remarkable Achievements, Hon'ble Chairperson madam Congratulated all members of the University and conveyed her message 'The accreditation would be beneficial for the University leadership in promoting best practices in all aspects of teaching, research and administration, thereby increasing the diversity of career opportunities available to students on campus and consequently increases the placement Opportunities, this acknowledgement will further encourage and inspire us all to work even harder to keep the University ahead towards more success and achievements

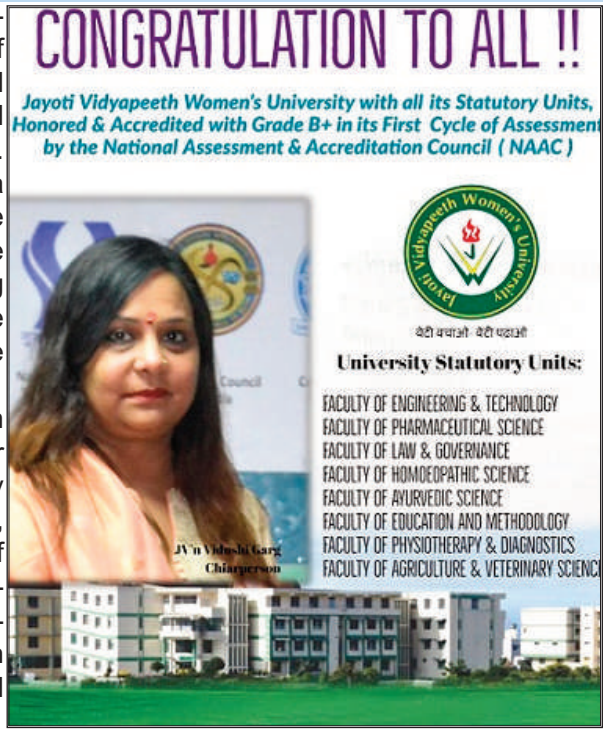

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय ने मनाई "धन्वंतरि जयन्ती"

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में धनतेरस के शुभ अवसर पर आयुर्वेद के जनक और हिन्दू देवी देवताओं के वैद्य भगवान धन्वंतरि जी की जयंती मनाई गई। विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन माननीया विदुषी गर्ग जी एवं संस्थापक और सलाहाकार माननीय जे.वी.एन डॉ. पंकज गर्ग जी ने सर्वप्रथम फैकल्टी ऑफ आयुर्वेदिक साइंस के अंतर्गत शैक्षिक विभाग और इसके बाद सूर्यांश आरोग्यशाला (मल्टी स्पेशलिटी – आयुष हॉस्पिटल) परिसर स्थित भगवान धन्वंतरि जी की विधिवत पूजा अर्चना की। भारतीय संस्कृति में ऐसा माना जाता है कि स्वास्थ्य का स्थान धन से ऊपर होता है। यह कहावत आज भी प्रचलित है कि 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में माया' इसलिए दीपावली में सबसे पहले धनतेरस को महत्व दिया जाता है।जो भारतीय संस्कृति के हिसाब से बिल्कुल

अनुकूल है। शास्त्रों में वर्णित कथाओं के अनुसार समुद् मंथन के दौरान का. र्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। एक मान्यता के अनुसार भगवान धन्वंतरि विष्णु के अंशावतार हैं। संसार में चिकित्सा विज्ञान के विस्तार और प्रसार के लिए ही भगवान विष्णु ने धन्वंतरि का अवतार लिया था और भगवान धन्वंतरि के प्रकट होने के उपलक्ष्य में ही धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

भगवान धन्वंतरि की जयंती पर विश्वविद्यालय परिवार की ओर से सभी को धनतेरस की हार्दिक शुभकामनाएं ।

JV'n Divya

दीपावली

दीपावली, भारत में हिन्दुओं द्वारा मनाया जाने वाला सबसे बड़ा त्योहार है। दीपों का खास पर्व होने के कारण इसे दीपावली या दिवाली नाम दिया गया। दीपावली का मतलब होता है, दीपों की अवली यानि पंक्ति। इस प्रकार दीपों की पंक्तियों से सुसज्जिमत इस त्योहार को दीपावली कहा जाता है। कार्तिक माह की अमावस्या को मनाया जाने वाला यह महापर्व, अंधेरी रात को असंख्य दीपों की रौशनी से प्रकाशमय कर देता है। दीप जलाने की प्रथा के पीछे अलग–अलग कारण या कहानियां हैं। हिंदू मान्यताओं में राम भक्तों के अनुसार कार्तिक अमावस्या को भगवान श्री रामचंद्रजी चौदह वर्ष का वनवास काटकर तथा असुरी वृत्तियों के प्रतीक रावणादि का संहार करके अयोध्या लौटे थे।तब अयोध्यावासियों ने राम के राज्यारोहण पर दीपमालाएं जलाकर महोत्सव मनाया था। इसीलिए दीपावली हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है।भारत एक ऐसा देश है जिसको त्योहारों की भूमि कहा जाता है। इन्हीं पर्वों में से एक खास पर्व है दीपावली जो दशहरा के 20 दिन बाद अक्तूबर या नवंबर के महीने में आता है। इसे भगवान राम के 14 साल का वनवास काटकर अपने राज्य में लौटने की खुशी में मनाया जाता है। कृष्ण भक्तिधारा के लोगों का मत है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने अत्याचारी राजा नरकासुर का वध किया था। इस नृशंस राक्षस के वध से जनता में अपार हर्ष फैल गया और प्रसन्नता से भरे लोगों ने घी के दीए जलाए। एक पौराणिक कथा के अनुसार विष्णु ने नरसिंह रुप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए।जैन मतावलंबियों के अनुसार चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस भी दीपावली को ही है। सिक्खों के लिए भी दीवाली महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन ही अमृतसर में 1577 में स्वर्ण मन्दिर का शिलान्यास हुआ था। इसके अलावा 1619 में दीवाली के दिन सिक्खों के छठे गुरु हरगोबिन्द सिंह जी को जेल से रिहा किया गया था। नेपालियों के लिए यह त्योहार इसलिए महान है क्योंकि इस दिन से नेपाल संवत में नया वर्ष शुरू होता है। पंजाब में जन्मे स्वामी रामतीर्थ का जन्म व महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन ही हुआ। इन्होंने दीपावली के दिन गंगातट पर स्नान करते समय 'ओम' कहते हुए समाधि ले ली। महर्षि दयानंद ने भारतीय संस्कृति के महान जननायक बनकर दीपावली के दिन अजमेर के निकट अवसान लिया। इन्होंने आर्य समाज की स्थापना की।

-JV'n Niketa

Jayoti Vidyapeeth Women's University participated in four days kho-kho tournament at jalgaon

Jaipur: Jayoti Vidyapeeth Women's University (JVWU), kho-kho team participate in West Zone Inter University Tournament 2018-19. The organizer of the tournament was kaviyatri Bahinabai University, jalgaon, Maharashtra. The tournament has been organized during 19-22 November, 2018.

Jayoti Vidyapeeth Women's University kho-kho team has been participated in two matches. First match won by the Jayoti Vidyapeeth Women's University team which was occurred with Mahatma Phule Krishi Vidyapeeth, Rahori. Second match has been played with Maharshi Dayanand Saraswati University,Ajmer, Rajasthan.There were 12 students in the kho-kho team who participated in this tournament. As we know, kho-kho sport is very simple and inexpensive. It helps to develop the strength, speed and stamina of the students. It helps a lot for the development of physical fitness of the students. It also develops quality such as discipline, obedience and sportsmanship. The best advantage of this game is that all age groups all eligible to play this game.

JV'n Megha

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय ने मनाया "राष्ट्रीय संविधान दिवस "

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस द्वारा "राष्ट्रीय संविधान दिवस" के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घघाटन विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन माननीया जे.वी.एन विदुषी गर्ग ने किया। इस अवसर पर डिपार्टमेंट ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के डीन डॉ. आर. के. पाटनी ने विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन माननीया जे.वी.एन विदुषी गर्ग का स्वागत गुलदस्ते से किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। इसके पश्चात छात्राओं ने राष्ट्रीय गीत गाया एवं गणेश वंदना पर प्रस्तुति दी। डिपार्टमेंट ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के डीन डॉ. आर. के. पाटनी ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए भारतीय संविधान एवं इसके जनक डॉ. भीमराव आंबेडकर के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को एक जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प दिलाया। इसके अलावा उन्होंने छात्राओं को एक सफल महिला अभिवक्ता बनने पर संविधान की रक्षा एवं गरिमा बनाये रखने को प्रेरित किया। इस अवसर पर डिपार्टमेंट ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत ग्रुप नृत्य एवं स्किट का प्रस्तुतिकरण किया। "संविधान दिवस " के इस अवसर पर छात्राओं के अलावा फै. कल्टी ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के डीन प्रो. डॉ. आरके.पाटनी एवं विभाग के अन्य अध्यापकगण उपस्थित रहे।

JV'n Rashi

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर एंड वेटेरिनरी साइंस के अन्तर्गत पाँच दिवसीय कॉरपेट ट्रेनिंग का आयोजन ।

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर एंड वेटेरिनरी साइंस के अन्तर्गत पाँच दिवसीय कॉरपेट ट्रेनिंग (प्रोटेक्टेड कल्टिवेशन) के मौके पर प्रो–प्रेजिडेंट एवं डीन फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर एवं वेटेरिनरी साइंस प्रोफेसर डॉ.प्रमोद कुमार राघव ने प्रशिक्षण मे आये सभी प्रतिभागियों और अथितियो का जा.रदार स्वागत किया । इस मौके पर विश्वविद्यालय की माननीया चेयरपर्सन जे.वी.एन. विदुषी गर्ग जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रशिक्षण का उद्घघाटन किया। तत्पश्चात प्रेजिडेंट प्रोफेसर आर.एस.दहिया ने माननीया चेयरपर्सन जे.वी.एन. विदुषी गर्गजी को फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। विश्वविद्यालय की छात्राओं ने कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्र गान के साथ की। यह कार्यक्रम के.एस.एसोसिएट्स आनंद गुजरात के सहयोग से आयोजित किया गया । जिनका स्वागत विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन जे.वी.एन. विदुषी गर्ग ने गुलदस्ते के साथ किया। इस कार्यक्रम में गुजरात से आये १० किसान भाइयो को विश्वविद्यालय की ओर से पाँच दिनों तक प्रशिक्षण दिया जाएगा किसान भाइयो को प्रोटेक्टेड कल्टिवेशन के बारे में समस्त जानकारियाँ प्रदान की जाएगी । इस प्रशिक्षण में गुजरात से आये किसान भाइयो को खेती–बाड़ी में उत्पादन बढ़ाने हेतु तकनीकियों के बारे में समस्त जानकारियाँ पी.पी.टी.,फील्ड विजिट,प्रायोगिक प्रशिक्षण के माद्यम से दी जाएगी पाँच दिवसीय कॉरपेट ट्रेनिंग (प्रोटेक्टेड कल्टिवेशन) के मौके में प्रोफेसर डॉ. बी. दी यादव डायरेक्टर एग्रीकल्चर एंड वेटे. रिनरी साइंस, डिपार्टमेन्ट की छात्राएं एवं अध्यापक गण तथा गुजरात से आये १० किसान भाई भी उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण में गुजरात से आये किसान भाइयो को खेती–बाड़ी में उत्पादन बढ़ाने हेतु तकनीकियों के बारे में समस्त जानक. ारियाँ पी.पी.टी.,फील्ड विजिट,प्रायोगिक प्रशिक्षण के माद्यम से दी जाएगी

JV'n Naziya

JV'n Anupriya, JV'n Karti

JAYOTI VIDYAPEETH WOMEN'S UNIVERSITY, JAIPUR

©सर्वाधिकार सुरक्षित
स्वत्वाधिकार, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. पंकज गर्ग द्वारा लक्ष्मी ऑफसेट, G–1 मधुवन कॉलोनी टोंक फाटक, जयपुर– 302018 से मुद्रित एवं ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, वेदान्त ज्ञान वैली, ग्राम झरना, महलां जोबनेर लिक रोड जयपुर– अजमेर एक्सप्रेस वे जयपुर– 303122 से प्रकाशित।
घोषणा एवं शर्तें: समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र केवल जयपुर होगा। **JAYOTI MUHIM**(ज्योति मुहिम) में प्रकाशित लेखों, चित्रों एवं अन्य सामग्री से सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। कॉपीराइट उल्लंघन की स्थिति में केवल संबंधित लेखक का ही दायित्व होगा।